

### अध्याय - 4 | प्राणी जगत

- ‘एनेलिडा’ शब्द की उत्पत्ति किस भाषा से हुई है और इसका अर्थ क्या है?
  - A. ग्रीक, वलयाकार
  - B. लैटिन, सूक्ष्म वलय या छोटे छल्ले
  - C. संस्कृत, रज्जु
  - D. फ्रेंच, जलीय प्राणी(B)

**व्याख्या:** ‘एनेलिडा’ शब्द लैटिन भाषा के शब्द Annulus से बना है, जिसका अर्थ ‘छोटा छल्ला या वलय’ होता है।

- एनेलिडा के शरीर की प्रमुख विशेषता क्या है?
  - A. शरीर एकल खंडीय होता है
  - B. शरीर असमित होता है
  - C. शरीर स्पष्ट रूप से खंडों में विभाजित होता है
  - D. शरीर पत्ती के आकार का होता है(C)

**व्याख्या:** एनेलिडा जन्तुओं का शरीर स्पष्ट रूप से खंडों में विभाजित होता है जिसे मेटामेरिज्म कहते हैं।

- कौन-सा एनेलिडा प्राणी जलीय होता है और तैरने में सक्षम है?
  - A. नेरीज
  - B. केंचुआ
  - C. जोंक
  - D. लिमुलस(A)

**व्याख्या:** नेरीज एक जलीय एनेलिडा है जिसमें पेरापोडिया नामक उपांग पाए जाते हैं जो तैरने में सहायक होते हैं।

- एनेलिडा में कौन-सा परिसंचरण तंत्र पाया जाता है?
  - A. खुला परिसंचरण तंत्र
  - B. बंद परिसंचरण तंत्र
  - C. आंशिक परिसंचरण तंत्र
  - D. कोई नहीं(B)

**व्याख्या:** एनेलिडा जन्तुओं में बंद परिसंचरण तंत्र पाया जाता है जिसमें रक्त वाहिकाओं के भीतर प्रवाहित होता है।

- केंचुआ और जोंक में लिंग व्यवस्था कैसी होती है?
  - A. नर और मादा पृथक् (एकलिंगी)
  - B. उमयलिंगी
  - C. केवल मादा
  - D. केवल नर(B)

**व्याख्या:** केंचुआ (फेरेटिमा) और जोंक (हीरुडिनेरिया) दोनों उमयलिंगी होते हैं, अर्थात् इनमें नर और मादा जननांग दोनों उपस्थित रहते हैं।

- एनेलिडा में उत्सर्जन अंग कौन-से होते हैं?
  - A. नेफ्रिडियम
  - B. नेफ्रॉन
  - C. ट्रेकिया
  - D. मल्पीघी नलिकाएँ (A)

**व्याख्या:** एनेलिडा में उत्सर्जन का कार्य नेफ्रिडियम द्वारा किया जाता है जो परासरण नियंत्रण में भी सहायक होता है।

- ‘आर्थोपोडा’ शब्द का शाब्दिक अर्थ क्या है?
  - A. रज्जुयुक्त उपांग
  - B. संयुक्त उपांग
  - C. बिना उपांग के
  - D. पंखयुक्त प्राणी(B)

**व्याख्या:** ‘आर्थोपोडा’ शब्द ग्रीक शब्दों Arthros (संयुक्त) और Poda (पैर/उपांग) से बना है, जिसका अर्थ “संयुक्त उपांग वाले” होता है।

- आर्थोपोडा का बाह्य कंकाल किस पदार्थ से बना होता है?
  - A. कैल्सियम कार्बोनेट
  - B. सेल्यूलोज
  - C. काइटिन
  - D. प्रोटीन(C)

**व्याख्या:** आर्थोपोडा का बाह्य कंकाल कठोर काइटिन पदार्थ से बना होता है जो समय-समय पर नवीनीकृत होता रहता है।

- आर्थोपोडा में उत्सर्जन किस अंग से होता है?
  - A. नेफ्रिडियम
  - B. मल्पीघी नलिकाएँ
  - C. श्वसननलिकाएँ
  - D. वृक्क(B)

**व्याख्या:** आर्थोपोडा जन्तुओं में उत्सर्जन मल्पीघी नलिकाओं द्वारा किया जाता है जो शरीर के अपशिष्ट को बाहर निकालती हैं।

- निम्न में से कौन-सा आर्थोपोडा एक “जीवित जीवाशम” कहलाता है?
  - A. लिमुलस (राज केकड़ा)
  - B. एनाफिलीज
  - C. टिड्डी
  - D. झींगा(A)

**व्याख्या:** लिमुलस जिसे ‘राज केकड़ा’ कहा जाता है, आर्थोपोडा का सदस्य है और इसे “जीवित जीवाशम” कहा जाता है क्योंकि इसकी संरचना लाखों वर्षों से अपरिवर्तित बनी हुई है।